

प्रोपक,

काठ रणवीर सिंह,

साधन,

उत्तराखण्ड शासन।

सोना में,

निबन्धक,

सहकारी समिति, उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग -1 देहरादून दिनांक 14 23 मार्च, 2007
विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिये पर्वतीय क्षेत्र में उर्वरक परिवहन पर राज
सहायता (राज्य सेक्टर) के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।
गहनय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 8167/नियो0/उर्वरक/2006-07 दिनांक 12.3.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि पर्वतीय क्षेत्र में उर्वरक परिवहन पर राज सहायता मद में कुल रु० 10.00 लाख (दस लाख रुपये मात्र) धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने के महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय। उक्त धनराशि की जनपदवार फाट यथाशीघ्र शासन को उपलब्ध कराई जाय।

2. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि गत वित्तीय वर्ष 2005-06 में इस मद में पूर्व में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही इस धनराशि का आहरण एवं व्यय किया जायेगा।

3. सभी कार्यक्रमों का जनपदवार वार्षिक एवं मासिक लक्ष्यों का निर्धारण भी तत्काल कर लिया जाय। तथा फील्ड स्तर पर भी निर्धारित किये गये लक्ष्यों की सूचना उपलब्ध करा दी जाय।

4. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित कार्यों/मदों पर ही व्यय की जाय। तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है।

5. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्ही मदों पर किया जाय जिसके लिये स्वीकृति दी जा रही है यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा अप्राधिकृत व्यय की प्रसूची की जायेगी।

6. उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एग0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग तथा महालेखाकार को भिजवाना सुनिश्चित करें।
7. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुरंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जाएगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/ मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है प्रशासनिक व्यय में भित्तव्ययता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय भित्तव्ययता सम्बन्धी जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय, वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुरंगत नियमों का अनुपालन किया।
8. उक्त व्यय मालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2425-सहकारिता आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय, 09-उर्वरक परिवहन पर राज सहायता -00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1015/ अनुभाग-4/2006 दिनांक 22.3.2007 में प्राप्त उनकी राहगति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(डा० रणवीर सिंह)

सचिव।

संख्या 146(1)/XIV-1/ तद दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन उत्तरांचल।
- 3-आयुक्त, गुमागुं गण्डल/ गढवाल गण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक, कोषागार एवं वित्त 23 लक्ष्मीरोड देहरादून।
- 5- अपर निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
- 9- निदेशक एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(बी0ओर0टम्टा)
अपर सचिव